(d) if so, what action is being taken to fill-up the backlog?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) The number of foremen promoted is 7 and *ihe* number of Senior Foremen promoted is 5.

(b) None of them is SC|ST employee.

(c) and (d) There is a shortfall of two SC and one ST candidates in the category of Foremen. As and when SC/ST employees are available, in the zone of consideration, the vacancies will be filled.

Reservation for SC/ST in AI and IA

4149. SHRI AJIT P. K. JOGI: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased! to state:

(a) the total number of agreements signed by Air India and In-dian Airlines managements with their respective employees unions with details thereof;

(b) whether there is any such ag-eement which superceeds the exist-ng provisions of Reservation policy or the SC/ST stipulated in Broch-are on Reservation for SC|ST;

(c) if so, the details thereof; and

(d) how many reserved! vacancies tave been dereserved consequent to uch agreement?

THE MINISTER OF CIVIL AVIA-TON AND TOURISM (SHRI MAD-HAVRAO SCINDIA): (a) to (d) the information is being collected and will be laid on the Table of the louse.

देश में उपयोग में नहीं लाये जा रहे हवाई अड्डे

4150. **चौधरी हरि सिंह :**
डा० अबरार अहमद :
श्री कृष्ण कुमार बिरला :

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) प्रत्येक राज्य में कितने हवाई अड्डों को कितने समय से उपयोग में नहीं लाया जा रहा है ;

(ख) इन हवाई अड्डों का उपयोग न किए जाने के क्या कारण हैं ;

(ग) सरकार इन हवाई अड्डों के रख-रखाव पर कितनी धनराशि व्यय करती है ; और

(घ) इन हवाई अड्डों का उपयोग किए जाने संबंधी योजना का ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) इस समय प्रयोग में नहीं लाये जा रहे हवाई अड्डों के ब्यौरे दर्शाने वाला विवरण संलग्न है । **(नीचे देखिए)**

(ख) अनुसूचित प्रचालकों से मांग न होने के कारण अनुबंध में सूचीबद्ध हवाई अड्डे बिना किसी प्रयोग के पड़े हुए हैं ।

(ग) प्रति वर्ष 80.00 लाख रुपए ।

(घ) हवाई टैक्सी परिचालन के विस्तार को ध्यान में रखते हुए कुछ हवाई अड्डों पर कार्य पुनः प्रारंभ हो जाएगा । योजना में हवाई क्षेत्रों को अस्थायी रूप से राज्य सरकार को हस्तांतरित करने तथा फालतू भूमि का वाणिज्यिक क्रियाकलापों के लिए प्रयोग में लाना आदि शामिल हैं ।

विवरण

प्रयोग में नहीं लाए जा रहे हवाई अड्डे

क्रम संख्या	हवाई अड्डे का नाम	राज्य	तारीख जब से प्रयोग में नहीं है
1.	अकोला	महाराष्ट्र	बिरले ही प्रयोग किया गया
2.	रत्नगिरी	—वही—	12-7-1991
3.	शोलापुर	—वही—	2-7-1991
4.	दीसा	गुजरात	1-8-1991
5.	खंडवा	मध्य प्रदेश	1-8-1991
6.	पन्ना	मध्य प्रदेश	1-8-1991
7.	बिलासपुर	मध्य प्रदेश	1-11-1990
8.	झांसी	उत्तर प्रदेश	बिरले ही प्रयोग किया गया
9.	सतना	मध्य प्रदेश	1-11-1990
10.	कोटा	राजस्थान	28-9-1990
11.	ललितपुर	उत्तर प्रदेश	बिरले ही प्रयोग किया गया
12.	पंतनगर	उत्तर प्रदेश	जनवरी, 1991
13.	दोनाकोंडा	आंध्र प्रदेश	बिरले ही प्रयोग किया गया
14.	वारंगल	आंध्र प्रदेश	फरवरी, 1988
15.	कुडापा	आंध्र प्रदेश	25-9-1989
16.	हसन	कर्नाटक	बिरले ही प्रयोग किया गया
17.	मैसूर	कर्नाटक	23-9-1989
18.	हुबली	कर्नाटक	फरवरी, 1990
19.	वैल्लौर	तमिलनाडु	बिरले ही प्रयोग किया गया
20.	झारसुगुडा	उड़ीसा	—वही—
21.	बालूरघाट	पश्चिम बंगाल	—वही—
22.	मालदा	,,	—वही—
23.	खोवाई	त्रिपुरा	—वही—
24.	कमालपुर	,,	—वही—
25.	चकूलिया	बिहार	—वही—
26.	जोगबनी	,,	—वही—
27.	मुजफ्फरपुर	,,	—वही—
28.	रक्सोल	,,	—वही—
29.	धनबाद	,,	—वही—
30.	गया	,,	1-11-1990
31.	रूपसी	आसाम	बिरले ही प्रयोग किया गया
32.	शैला	,,	—वही—
33.	पासीघाट	अरुणाचल प्रदेश	1-11-1990
34.	तेजू	,,	मई, 1991